विकिपीडिया के विरुद्ध मानहानि का मुकदमा

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

हाल ही में समाचार एजेंसी एशियन न्यूज़ इंटरनेशनल (Asian News International- ANI) ने ANI के विकिपीडिया पेज पर कथित रूप से **अपमानजनक सामग्री की अनुमति देने के लिये विकिपीडिया के विरुद्ध** दिल्ली [उच्च न्यायालय] में याचिका दायर की है।

- याचिकाकर्त्ता ने 2 करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति की मांग करते हुए आरोप लगाया है कि सामग्री **"स्पष्ट रूप से झूठी"** और अपमानजनक है तथा इससे उसकी प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है एवं उसकी सद्भावना को ठेस पहुँच रही है।

विकिपीडिया

- यह वर्ष 2001 में **जिमी वेल्स और लैरी सेंगर द्वारा स्थापित एक निशुल्क ऑनलाइन** विश्वकोश है।
- यह ज्ञान की **विभिन्न शाखाओं पर स्वतंत्र रूप से संपादन योग्य सामग्री उपलब्ध कराता** है, जिसका उद्देश्य लिखे गए **लेखों के माध्यम से सूचना और मार्गदर्शन प्रदान करके पाठकों को लाभान्वित** करना है।

विकिपीडिया के विरुद्ध ANI के मामले का कानूनी आधार क्या है?

- सूचना प्रौद्योगिकी (IT) अधिनियम, 2000 **की धारा 2(1)(w):**
  - इसमें **"मध्यस्थ" की परिभाषा के अनुसार वह व्यक्ति शामिल है** जो दूसरों की ओर से इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड संभालता है। इसमें दूरसंचार, नेटवर्क और इंटरनेट सेवा प्रदाता, वेब-होस्टिंग सेवाएँ, सर्च इंजन, ऑनलाइन भुगतान साइट, नीलामी साइट, बाज़ार तथा साइबर कैफे शामिल हैं।
- **IT अधिनियम, 2000 की धारा 79 (सुरक्षित बंदरगाह खंड):**
  - यह **मध्यस्थों को उनके प्लेटफॉर्मों के माध्यम से होस्ट या प्रसारित** किसी भी तीसरे पक्ष की सामग्री या सूचना के लिये उत्तरदायित्व से कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है।
    - **धारा 79(2)(b):** सुरक्षित बंदरगाह संरक्षण का लाभ उठाने के लिये, **मध्यस्थ को निम्नलिखित शर्तें पूरी करनी** होंगी:
      - उन्हें अपने **कर्त्तव्यों का निर्वहन करते समय पूरी तत्परता बरतनी** चाहिये।
      - इसे **प्रसारण आरंभ नहीं करना चाहिये प्रसारण के प्राप्तकर्त्ता का चयन नहीं** करना चाहिये या **प्रसारण में निहित जानकारी को संशोधित नहीं करना** चाहिये।
      - इसे सरकार के निर्देशों जैसे कि [मध्यस्थ दिशा-निर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता, 2021] या अदालती आदेशों का पालन करना चाहिये।
    - **धारा 79(3)** में कहा गया है कि यदि **मध्यस्थ, सरकार द्वारा अधिसूचित किये जाने के बाद, निर्दिष्ट सामग्री को तुरंत हटाने या उस तक पहुँच** अक्षम करने में विफल रहता है, तो यह सुरक्षा लागू नहीं होगी।
- **आईटी अधिनियम, 2000 की धारा 3:**
  - यह **ग्राहकों के डिजिटल हस्ताक्षरों का उपयोग** करके **इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को प्रामाणित करने की अनुमति** प्रदान करता है और साथ ही प्रामाणीकरण के लिये **असममित क्रिप्टो प्रणाली तथा हैश फंक्शन के उपयोग की आवश्यकता** होती है।
  - **ग्राहक की सार्वजनिक कुंजी जो उनकी निजी कुंजी के साथ मिलकर एक अद्वितीय कुंजी युग्म का निर्माण** करती है, का उपयोग इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्डों को सत्यापित करने के लिये किया जा सकता है।

नोट:

- **आईटी अधिनियम की धारा 79** की तरह, **अमेरिकी संचार निर्णय अधिनियम की धारा 230** में कहा गया है कि जो पक्ष **इंटरैक्टिव कंप्यूटर सर्विस** प्रदान करते हैं या उनका उपयोग करते हैं, उन्हें **तीसरे पक्ष द्वारा प्रदान की गई सामग्री का प्रकाशित या वक्ता नहीं** मानी जाएगी।

विकिपीडिया से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के पिछले निर्णय क्या थे?

- ***[illegible], 2022:***
    - इसमें [सर्वोच्च न्यायालय](#) ने **विकिपीडिया पर एक लेख को अपमानजनक बताने वाली याचिकाओं को खारिज** कर दिया तथा याचिकाकर्त्ताओं को लेख को संपादित करने या अन्य कानूनी उपाय अपनाने की सलाह दी।
- ***[illegible], 2023:***
    - सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि निर्णय देने वाले प्राधिकारियों ने अपने निष्कर्षों के समर्थन में विकिपीडिया जैसे ऑनलाइन स्रोतों का व्यापक रूप से हवाला दिया था।
    - "इसने **कानूनी विवाद समाधान के लिये विकिपीडिया जैसे भीड़-स्रोत** तथा **उपयोगकर्त्ता-जनित प्लेटफॉर्मों का उपयोग करने के विरुद्ध चेतावनी** दी, क्योंकि वे **"भ्रामक जानकारी" को बढ़ावा** दे सकते हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी (IT) से संबंधित सरकारी पहल क्या हैं?

- [सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन नियम, 2023,](#)
- [सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम, 2000](#)
- [सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशा-निर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021।](#)
- [राष्ट्रीय महत्त्वपूर्ण सूचना अवसंरचना संरक्षण केंद्र (NCIIPC)।](#)
- [भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C)।](#)

और पढ़ें: [सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन नियम, 2023,](#) [नए आईटी नियम एवं सोशल मीडिया](#)

UPSC सिविल सेवा, परीक्षा विगत वर्ष के प्रश्न

[illegible]:

प्रश्न. भारत में साइबर सुरक्षा घटनाओं पर रिपोर्ट करना निम्नलिखित में से किसके/किनके लिये विधितः अधिदेशात्मक है? (2017)

1. सेवा प्रदाता
2. डेटा सेंटर
3. कॉर्पोरेट निकाय

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/defamation-case-against-wikipedia